व्याकरण

Prof. Raj Kumar ...
J.K. college, Biraul, Dbg

विशेषण सँ की बुझैत छिऐक ? भेदोपभेद वर्णन करू।

संज्ञाक विशेषताक बोध जाहि शब्दक माध्यम सँ होइछ, ओकरा विशेषण कहल जाइछ। यथा- 'लाल' कलम नीक लगैछ।

विशेषणक छओ भेद होइछ —

- विशेषण
  - गुणवाचक विशेषण
  - संख्यावाचक विशेषण
  - निश्चयवाचक विशेषण
  - अनिश्चयवाचक विशेषण
  - अनिश्चयवाचक विशेषण
  - परिमाणवाचक विशेषण
  - सार्वनामिक विशेषण

गुणवाचक विशेषण :-

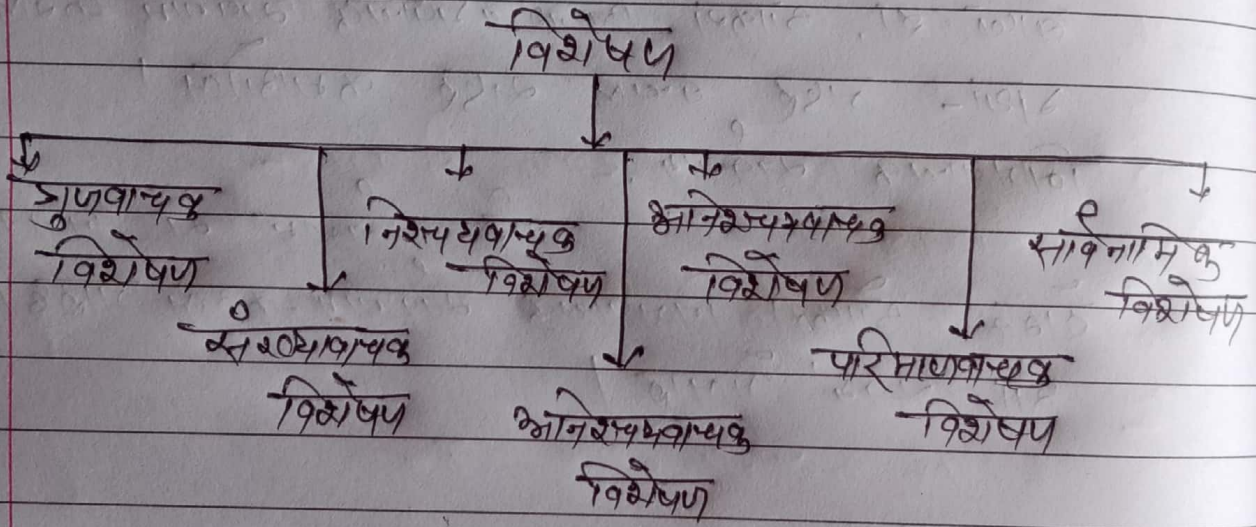

जाहिसँ संज्ञा वा सर्वनामक रंग, गुण, आकार, स्थान, काल आदिक बोध होइक। यथा- उजर गाय, भद्र पुरुष आदि।

संख्यावाचक विशेषण :-

जाहिसँ गणना, क्रम, गुणा, आवृत्ति वा समूह इत्यादिक बोध होइक। यथा- प्रथम छात्र, सात रंग, तीन रानी आदि।

Scanned with CamScanner

निश्चयवाचक विशेषण :-

जाहिसँ निश्चित पदार्थक बोध होइछ। यथा- एहन सुन्दर घर, ऊपर स्थान आदि।

अनिश्चयवाचक विशेषण :-

जाहिसँ अनिश्चित पदार्थक बोध होइछ। यथा- बहुत धन, किछु लोक आदि।

परिमाणवाचक विशेषण :-

जाहिसँ परिमाण अथवा मात्राक बोध होइछ। यथा- एक गिलास पानि, तीनटा रुपया, तीन सेर अन्न आदि।

सार्वनामिक विशेषण :-

अनेको सर्वनाम संज्ञा पहिने आबि कए ओकर विशेषताक बोध करबैछ। यथा- कोन व्यक्ति, एकर पोथी आदि।

Scanned with CamScanner